jkT;iky lfpoky;
jktHkou] t;iqj

**महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह**

**शैक्षणिक श्रेष्ठता और अद्यतन शोध समय की आवश्यकता - राज्यपाल**

उदयपुर, 22 दिसंबर/महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह रविवार को सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विवेकानंद ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया।

दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कर रहे माननीय राज्यपाल एवम् कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को नमन करते हुए सभी स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले एवम् उपाधि प्राप्त  छात्र छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए कुलपति द्वारा अनेक दिशाओं में उठाए गए कदमों की प्रशंसा करते हुए कृषि विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत युवाओं से तकनीकी उत्कृष्टता के साथ जिम्मेदारी का निर्वहन करने की अपेक्षा जताई। उन्होंने दीक्षा प्राप्त विद्यार्थियों से अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता और अद्यतन शोध को समय की आवश्यकता बताते हुए राष्ट्र की प्रगति, प्रदेश के कृषि विकास के लिए ईमानदारी से अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन का आव्हान भी किया।

**छात्राओं ने कृषि क्षेत्र में भी वर्चस्व स्थापित किया:**

राज्यपाल ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस युग में कृषि जैसे श्रम साध्य क्षेत्र में भी छात्राएं किसी से कम नहीं है। आज प्रदत्त स्वर्ण पदकों में से पीएचडी के 2 स्वर्ण पदक छात्रों को और 2 छात्राओं को मिले परन्तु स्नातक और स्नातकोत्तर के कुल 35 में से 19 स्वर्ण पदक और कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्राप्त कर छात्राओं ने अधिक पदक प्राप्त पर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है।  उन्होंने कहा कि 20 वर्ष पूर्व महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय के रूप में जो बीज बोया गया था उसने आज वट वृक्ष का रूप धारण कर लिया है, मैं अपेक्षा करता हूं कि इस वृक्ष की छत्रछाया में आप सभी पुष्पित व पल्लवित हो।

**देश के कृषि विकास में योगदान दें विद्यार्थी:**

राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं से भी द्विगुणित गति से कार्य करने और देश के कृषि विकास में अहम योगदान प्रदान करने की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती जीरो बजट की होगी इस पर हमारे कृषि वैज्ञानिकों को और शोध करने की आवश्यकता है जिससे वर्ष 2022 तक हम कृषकों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। उन्होंने खेती में पानी के कम से कम व समझदारी पूर्ण उपयोग, मृदा स्वास्थ्य को ध्यान में रख कर खेती करने और खेती में मानवीय कौशल प्रतिभा, श्रम और यंत्रीकरण के युक्ति पूर्ण सामंजस्य कि बात भी कही। साथ ही उन्होंने कृषि के आधुनीकीकरण पर बल देते हुए आर्टीफिसियल इंटेलीजेंस व रोबोटिक्स जैसे नवाचारों के उपयोग पर ध्यान देने हेतु दिशानिर्देश दिये।

---------------